मिशन डाइवर्सिटी

2021

एच.एल. दुसाध

मिशन डाइवर्सिटी 2021

एच. एल. दुसाध

डाइवर्सिटी फॉर इक्वालिटी ट्रस्ट
लखनऊ

प्रथम संस्करण : 2021
द्वितीय संस्करण : 2024

प्रकाशक : **डाइवर्सिटी फॉर इक्वालिटी ट्रस्ट**
डाइवर्सिटी हाउस, 2/1467,
आदिल नगर, कल्याणपुर, लखनऊ-226022
E-mail : hl.dusadh@gmail.com
मो. : 9654816191

© **डाइवर्सिटी ट्रस्ट**

मूल्य : 900/- रुपये

रचना	:	**मिशन डाइवर्सिटी-2021**
लेखक	:	एच.एल. दुसाध
आवरण	:	कम्प्यूटेक सिस्टम
शब्दांकन एवं मुद्रण	:	क्विक ऑफसेट, दिल्ली-94

समर्पण

झारखण्ड में चिकित्सा के क्षेत्र में
अविस्मरणीय योगदान करने वाले
डॉ. मोहन पासवान साहब
को सादर

अनुक्रम

लेखकीय *(ix)*

अध्याय-1 : मिशन डाइवर्सिटी 1

बलि के लिए जिम्मेवार : हिन्दू धर्म-शास्त्र—3, हिन्दू राष्ट्र का बजट—6, वैलेंटाइन डे विरोध के पीछे है : वर्ण व्यवस्था का अर्थशास्त्र!—10, गुलामगिरी से मुक्ति का संकल्प लेने का दिन!—13, आंबेडकरवाद को संकट-मुक्त करने के लिए : एक नए स्वाधीनता संग्राम की जरूरत!—18, अखिलेश कृष्ण मोहन के निधन पर श्रद्धांजलि!—23, अखिलेश कृष्ण मोहन : बहुजन पत्रकारिता के विरल रत्न—23, शाहू जी महाराज के जन्मदिन पर : क्या हो बहुजनों का संकल्प!—29, अयोध्या के विकास में बहुजनों की नहीं होगी हिस्सेदारी!—33, दलित पैंथर और आज के बहुजन लेखकों की भूमिका!—38, दिलीप साहब में बड़ा क्रिकेटर बनने की भी सम्भावना थी!—42, नीट में ओबीसी आरक्षण की अनदेखी के बादः क्या करें ओबीसी बुद्धिजीवी!—45, ब्राह्मणशाही के खात्मे की दिशा में एक युगांतरकारी फैसला!—49, आज आधुनिक भारत में वर्ग संघर्ष के आगाज का भी दिन है!—54, ध्यान में रहे खेलों का जाति शास्त्र!—58, 10 अगस्त : सामाजिक न्याय के लिहाज से एक खास दिन!—62, बहुजनों के समक्ष शेष विकल्प : आज़ादी की लड़ाई!—65, आरक्षण पर संघ का ले लिया जाय टेस्ट—75, फिल्मों में वंचितों के प्रतिनिधित्व के लिएः जरूरी है बॉलीवुड का लोकतान्त्रिकरण—79, आज डाइवर्सिटी डे है!—83, हॉलीवुड डाइवर्सिटी रिपोर्ट 2021 के आईने में : अमेरिकी जनगणना!—87, क्या बॉलीवुड में भी प्रकाशित हो सकती है : डाइवर्सिटी रिपोर्ट!—92, बघेल के बयान में प्रतिबिंबित हुई है : मूलनिवासियो की बेचैनी!—96, ब्राह्मणशाही के खात्मे का मुद्दा!—101, कांशीराम के भागीदारी दर्शन के जोर से ही जीती जा सकती है : गुलामी से मुक्ति की लड़ाई!—104, एमके स्टालिन : बहुजनों के मोदी!—114, लड़नी होगी शक्ति के स्रोतों में सामाजिक और लैंगिक विविधता के प्रतिबिम्बन की लड़ाई!—125, आधुनिक विश्व में महिला मुक्ति आंदोलनों की शुरुआत—125, आरक्षित वर्ग के अनग्रसर जातियों की कारुणिक सोच!—136, लार्ड मैकाले : भारत के स्वाधीनता संग्राम के खलनायक या महानायक!—139, मोदी सरकार

के विवेक के समक्ष एक बड़ी चुनौती!—141, संविधान के उद्देश्यों की पूर्ति के क्या हों उपाय!—151, बाबासाहेब के मिशन को पूरा करने के लिए जरूरी है दलितों के नेतृत्व में एक नया स्वाधीनता संग्राम!—159, इतना प्यार देने के लिए कोटि-कोटि आभार!—163, लोकतंत्र को जिन्दा रखना है तो लागू करनी होगीः शक्ति के समस्त स्रोतों में सामाजिक और लैंगिक विविधता!—166

अध्याय-2 : 2021 में फेसबुक पर दुसाध **171**

नव वर्ष पर याद करें अछूतों की ऐतिहासिक भूमिका!—173, हजारों में कोई एक हिंदू ही देश-प्रेमी होता है!—175, सावित्रीबाई फुलेः भारत की पहली अध्यापिका—177, सरदार बूटा सिंह को अशेष श्रद्धांजलि!—180, मुराद नगर की घटना के लिए जिम्मेवार हिंदू चरित्र!—180, विशिष्ट चिंतक Subroto Chatterjee के एक कमेंट पर मेरी राय!—181, मेरी 80 किताबों में से 3 बेस्ट किताबें यही हैं, जो ज़ंवद पर भी सुलभ हैं!—183, सांस्कृतिक अर्थशास्त्र के खतरे!—184, दस महीने बाद किसी आयोजन में शिरकत किया—186, मेरी 5 बेस्ट किताबें!—186, शूद्र-राज : कल, आज और कल!—188, किसान आंदोलन को ठीक समझना है तो mukesh kumar masoom के इस पोस्ट की गहराइयों में जाइये!—190, आप असल में राष्ट्र विरोधी हो!—190, आज के दिन महान नामदेव ढसाल का परिनिर्वाण हुआ था!—191, राजनीति-साहित्य-समाज और अंडर वर्ल्ड को समान रूप से डॉमिनेट करने वाला विश्व इतिहास का अकेला कवि : नामदेव ढसाल!—191, आपदा को अवसरों में बदलते हुए : सबसे बड़े विनिवेश की तैयारी!—193, रोहित वेमुलाओं को बचाने के लिएः एजुकेशन डाइवर्सिटी!—194, केवड़िया के लिए 8 ट्रेनों को हरी झंडी : गुजरात को समृद्धतम राज्य बनाने की दिशा में मोदी का एक और ठोस कदम!—198, ग्रेट दुसाध का ट्रंप के विषय में ग्रेट पूर्वानुमान!—199, मुश्किल है किसी और का माता प्रसाद होना—200, यूपी, बिहार नहीं : यहां सवर्णपरस्ती तुंग पर है!—201, उनको कलम थामने से रोकना होगा!—203, जो बाइडन के इमिग्रेशन बिल से हिंदुओं के आयेंगे और अच्छे दिन!—204, थैंक्स मिस्टर जो बाइडेन!—205, मंडल पूर्व युग के महानायक : कर्पूरी ठाकुर—206, मोदी की ही हैसियत : अडानी-अंबानी के बाप जैसी है—209, बेजोड़ है मोदी की सक्रियता!—210, बंधुवर Shankar Pralami के एक कमेंट पर मेरी राय!—211, क्या यह बाबा साहेब की चेतावनी का ट्रेलर है!—211, दिल्ली में किसानों का ट्रैक्टर मार्च!—212, कलम कसाई!—212, टिकैत को कोटि-कोटि भीम सलाम!—213, कोटि 2 भीम सलाम क्रांति की जिंदा मिसाल बंधुवर चतुरानन ओझा को!—213, इस बजट से सवर्णो की 'आत्म-निर्भरता' और गैर-सवर्णो की 'पर-निर्भरता' में भारी उछाल आना तय है!—215, मनुष्य के रूप में उत्तीर्ण होने में व्यर्थ : लता मंगेशकर—215, पिछले तीन मैचों में आज छक्का मारकर दूसरा दोहरा शतक लगाने वाले जो रूट को भूरि 2 बधाई—216, क्या सवर्ण शासित भारत को बर्बाद

करने के लिए किसी बाहरी शक्ति को जोखिम उठाने की जरूरत है!—216, आंदोलनजीवी—217, संपदा वितरण के लिए निजी क्षेत्र की जरूरत है, ऐसी अद्भुत बात कहने वाले भारत के प्रथम पीएम हैं मोदी!—217, हिन्दू कौन?—218, पैथरों ने हमें बताया कि कथाएं सिर्फ शिकारियों के पक्ष में ही कसीदे नहीं काढेगी, हिरणों के शेर बनने का नाम ही दलित पैंथर है। नमन पैंथर!—220, हिंदू गुलाम ढसाल बनाम रोमन गुलाम स्पार्टकस!—220, कल की दुनिया का भयावह चित्र!—224, Palash Biswas दा के प्रति श्रद्धा के दो शब्द!—226, साहित्यकार शिवमूर्ति के रेणु पर केंद्रित एक पोस्ट पर मेरा जवाब—227, किसान आंदोलनकारियों के मध्य—231, कोरोना काल का दूसरा राउंड—234, एस.के. पंझम को मुश्किल है भुलाना!—234, भरी आँखों से बंगाल की जनता को कोटि-कोटि बधाई!—235, महान पत्रकार अखिलेश कृष्ण मोहन पर आयेगी किताब!—236, मोदी की वर्गीय चेतना को सलाम!—236, मैं जहाँ हूँ वहाँ अक्टोवियन ह्यूम के कदम पड़े होंगे—237, फिल्म रुस्तम के प्रति आभार—238, तेजस्वी यादव : मोदी का सर्वोत्तम विकल्प—238, कोरोना से बचने के लिए हिंदुओं में बढ़ सकता है गो-सेवा, गोमूत्र व गोबर सेवन का चलन!—240, भारत के असल दुश्मन कौन?—241, मुसलमानों से खौफ़दा : मानसिंह और योद्धाबाइयों के भाई-बंधु!—241, बंगाली विवेक की एक और बड़ी विजय!—242, काबिले जश्न है पुजारियों की नियुक्ति में डाइवर्सिटी—242, अखिलेश कृष्ण मोहन की स्मृति को चिरस्थायी करने के लिए : आयेगी उन पर किताब!—244, क्या पुरोहिती के पेशे के बंटवारे के बिना मुमकिन है समतामूलक समाज का सपना?—245, क्या ब्राह्मणवाद विरोधियों को धर्म की शक्ति का इल्म है?—245, प्रोफेसर साहब, दुसाध जैसा जाति-मुक्त लेखक कौन!—246, मेरे बाबूजी बृजमोहन प्रसाद : जिनकी दुनिया मेरे और मेरे बच्चो तक सीमित रही!—248, एक युवा के आरक्षण के प्रति हिकारत भरे पोस्ट पर मेरा कमेंट!—250, आज प्लासी विजय दिवस है!—251, मोयित्रा—रवीश के भाषणों से मोदी का क्या कुछ बिगड़ेगा?—253, दावा है दुसाध का!—254, डाइवर्सिटी इयर बुक पर राय देने के लिए : ऑक्सीजन से कोई नहीं मरा!—256, आज रामनगरी से शुरू हो रहा बसपा का ब्राह्मण जोड़ो समारोह!—257, आत्म-मुग्ध दुसाध का एक और दावा—257, 9 अगस्त, 1942 का भारत छोड़ो आंदोलन अंग्रेजों के खिलाफ कम : डॉ अंबेडकर के खिलाफ ज्यादा था—258, अब भारत को पंडितों के कानून के जरीए शासित होने की मानसिक प्रस्तुति लेनी चाहिए!—262, आज डाइवर्सिटी डे है!—263, 27 अगस्त : दलित आंदोलनों के इतिहास में खास दिन!—263, आज के ही दिन दिल्ली के इंडिया इंटरनेश्नल सेंटर में आयोजित हुआ थाः पहला डाइवर्सिटी डे!—264, डाइवर्सिटी के वैचारिक आन्दोलन का असर!—266, बधाई एवं आभार!—267, हॉलीवुड में नकलची भारतीयों सहित ब्लैक्स और हिस्पैनिक नस्लीय समूहों की भरमार डाइवर्सिटी नहीं, मेरिट के कारण हैं : प्रमाणित करें मेरिटवादी hemant thakur!—267, चंदन मित्रा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि!—268, मोदी बीसवीं सदी की किन भूलों का करना चाहते हैं सुधार!—270,

एमके स्टालिन : बहुजनों के मोदी!—272, कांग्रेस में जिग्नेश-कन्हैया-हार्दिक की इंट्री—273, तेज करनी होगी : इंटरव्यू बोर्डो में सामाजिक और लैंगिक विविधता लागू करवाने की लड़ाई!—275, विश्व इतिहास के व्यर्थतम विपक्षियों में : यूपी का विपक्षी नेतृत्व संभवत टॉप पर है!—278, भारत में वर्ग संघर्ष को व्यर्थ करने वाले असल तत्व : भारतीय मार्क्सवादी!—278, आरक्षित वर्ग के कथित संपन्न जातियों के प्रति शत्रुता पोषण करने वाले बहुजन : मंडेला के देश से प्रेरणा लें!—281, विनिवेशीकरण-निजीकरण और लैट्रल इंट्री का एकमेव इलाज : बहुजनों की तानाशाही सत्ता!—283, हमारे खानदान की प्रतिष्ठा को नई बुलंदी देने के लिए पोते सूरज को कोटि-कोटि बधाई!—284, दुसाध की नजरों में त्ंदरन तैप : क्यों हैं बहुजनों की महादेवी वर्मा!—286, दुसाध की एक खास तमन्ना!—287, नहीं रहे हिंदी दलित साहित्य के विशिष्ट हस्ताक्षर : के नाथ!—288, विपसनावादियों के समक्ष दुसाध की विनम्र जिज्ञासा!—288, मैं जय भीम देख रहा हूँ!—289, डॉ. फिरोज मंसूरी ने धन्य किया : डायवर्सिटी हाउस!—290, 'दादा बंगाल को छोड़कर पूरे भारत के हिंदू एक जैसे होते हैं : अमानुष!—293, उपभोग के साधनों पर कब्जा जमाने से निर्लिप्त हैं : बहुजन नेता और बुद्धिजीवी!—294, वर्षों बाद मिले दो यारः लालबाबू साव और नूर आलम!—298, यहीं रहकर मैंने फिल्म हीरो और सीरियल प्रोड्यूसर बनने का दुःसाहसपूर्ण सपना देखा!—302, कला और संस्कृति की पोषिका बंग-भूमि में हिंदी भाषियों को प्रतिष्ठा दिलाने वाले : नारायण दुबे!—303, कांग्रेस के घोषणा पत्र में जेंडर डाइवर्सिटी!—305, झारखंड में डाइवर्सिटी के बढ़ते कदम!—305, हिंदू और हिंदुत्ववादी : राहुल गांधी का हताश करने वाला बयान!—307, कई ताजमहल से भी बढ़कर है : आंबेडकर पार्क!—308, यूपी चुनाव में डाइवर्सिटी की अनदेखी करने पर : भाजपा को हराने के लिए किसी चमत्कार पर निर्भर करना पड़ेगा!—310, बहुजन जाति उन्मूलन का भार हिंदुओं पर छोड़ें!—311, आत्म-रक्षार्थ गैर-हिंदुओं को बहुजन वर्ग में तब्दील होने से भिन्न कोई उपाय नहीं!—312, 83 की वह यादगार रात—313, डरे हुए हिंदू भविष्य में भी सांता क्लाज़ को अग्निदग्ध करने के लिए अभिशप्त रहेंगे!—315, क्या संघ को निष्तेज़ करने के लिए दुसाध के डाइवर्सिटी सिद्धांत से कोई बेहतर विचार है!—316, परम आदरणीय Darshan Raavan के इस कथन पर मेरा जवाब!—317, नहीं रहे छठ मईया की महिमा फिल्म के लेखक : श्री नारायण दुबे!—317, 2021 की विदाई बेला में दुसाध का संदेश आधी आबादी के लिए!—318, 2021 के विदाई बेला में दुसाध का संदेश : आरक्षित वर्गों के लिए!—319, 2021 के विदाई बेला में दुसाध का संदेश : सवर्णों के लिए ख़त्म करो सवर्ण आरक्षण!—320, नववर्ष : 2022 के लिए सन्देश!—321